

असाधार्गा EXTRAORDINARY

PARI II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रतिथकार से प्रकारिकत PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 398] नई विस्ती, बृधवार, अगस्त 10, 1994/भावण 19, 1916 No. 398] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 10, 1994/SRAVANA 19, 1916

विन मंत्रालः

(राजस्व विभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 10 श्रगस्त, 1994

सं. 41/94(एन.टी.)--सीमाण्ल्क

का. श्रा. 585(श्र).—केन्द्रीय सरकार, सीमाण्डल श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 7 के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महाराष्ट्र राज्य में रेवडांडा पत्तन की निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए मीमाजुल्क पत्तन के रूप में नियत करती है:—

- (क) श्रायातित लौह श्रयस्क और लौह श्रयस्क गुलिका की उनराई; और
- (ख) निर्यात के लिए स्पंज लौह की लबाई।

[फा. सं. 574/1/94-एल.सो.] एम. एम. भटनागर, श्रवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th August, 1994

NO. 41/94(NT)-CUSTOMS

- S.O. 585(E).—In exercise of the powers conferred by clause (a) of Section 7 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby appoints the Revdanda port in the State of Maharashtra to be a Customs port for the following purpose:—
 - (a) unloading of imported iron ore and iron ore pellets; and
 - (b) loading of sponge iron for export.

[F. No. 574|1|94-LC|

S. M. BHATNAGAR, Under Secv.